

इंदौर गौरव दिवस

चर्चा में क्यों?

31 मई, 2023 को भारत के सबसे स्वच्छ शहर और मध्य प्रदेश की वित्तीय राजधानी इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित समारोह में लोकमाता अहलिया बाई के जन्म-दिवस के अवसर पर 'इंदौर गौरव दिवस' मनाया गया।

प्रमुख बंदि

- समारोह में मुख्यमंत्री शविराज सहि चौहान ने इंदौर नगर नगिम द्वारा बनाए जाने वाले उमंग पार्क के कार्यों का तथा इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा स्टार्टअप के सहयोग के लिये बनाए गए इन्क्यूबेशन सेंटर का शुभारंभ कयि। साथ ही सोलर सटी के संकल्प-पत्र का वमिचन और वृक्ष एंबुलेंस का लोकार्पण भी कयि।
- वदिति है कि 298 साल पहले आज ही के दनि 1767 को देवी अहलिया बाई का जन्म हुआ था। इसलिये उनके सम्मान में आज के दनि को पूरा शहर गौरव दिवस के रूप में मनाता है।
- देवी अहलिया बाई होलकर मराठा साम्राज्य की प्रसदिध महारानी तथा इतहिास-प्रसदिध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव की धर्मपत्नी थी।
- 1754 में खंडेराव की युद्ध में वीरगति प्राप्त होने पर ससुर मल्हारराव होलकर ने अहलिया देवी को होलकर साम्राज्य की कमान सौंप दी थी।
- 28 बरस के अपने शासनकाल में मंदरिों के जीर्णोद्धार और पुनर्नरिमाण के लिये अहलिया देवी का नाम सम्मान से लयिा जाता है। उन्होंने न सरिफ अपने राज्य में बलका पूरे भारत में करीब 65 मंदरि, धर्मशालाओं का नरिमाण करवाया।
- इसके अलावा सड़कें, कुएँ, तालाब, बावड़यिों, घाट और पानी की टंकी को मूलभूत सुवधिओं के साथ बनवाया। महेश्वर में रहते हुए देश के दूरस्थ स्थलों, जैसे- अमरकंटक, बद्रीनाथ, केदारनाथ, अयोधया, गंगोत्री, पुष्कर, मथुरा, रामेश्वर तथा हरदिवार में धर्मशालाएँ बनवाई।
- उल्लेखनीय है कि इंदौर भारत में एकमात्र शहर है, जहाँ भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम इंदौर) व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी इंदौर) दोनों स्थति हैं।





PDF Reference URL: <https://www.drishitias.com/hindi/printpdf/indore-pride-day>

